घृतकुमारी GHRITKUMARI (*Aloe vera*)

- उपयोगी भागः– पत्ता
- उपयोगः पेटदर्द, कब्ज़नाषक, वायुनाषक, क्रीमीनाषक, ज्वर, चर्मरोग।

सतावर SATAVAR (*Asparagus*)

- उपयोगी भागः सम्पूर्ण पौधा
- उपयोगः शक्तिवर्द्धक, शुक्रवर्द्धक, सामान्य दौर्बल्य, दुग्धवर्द्धक, संभावित गर्भपतन, अल्सर।

ब्राह्मी BRAHMI

(*Bacopa monnieri*)

- उपयोगी भागः सम्पूर्ण पौधा।
- उपयोगः– रक्तषोधन, अग्निमंद्यता, हृदयघात, स्मरण शक्ति, ज्वर, खाँसी एवं जुकाम।

जलब्राह्मी JAL-BRAHMI (*Centella asiatica*)

- उपयोगी भागः पत्ता
- उपयोगः– कुष्ठरोग, क्षयरोग, श्वासरोग, ज्वर, चेचक।

भृंगराज BHRINGRAJ

(*Eclipta alba*)

- उपयोगी भागः सम्पूर्ण पौधा
- उपयोगः अल्सर, लीवर, आँख एवं बाल।

गुग्गुल GUGUL

(*Commiphora mukul*)

- उपयोगी भागः गोंद रूप राल
- उपयोगः नपुंसकता, यकृत विकारों में प्रोटीन बढ़ाने।

कृष्णतुलसी KRISHNA-TULSI (*Ocimum sanctum*)

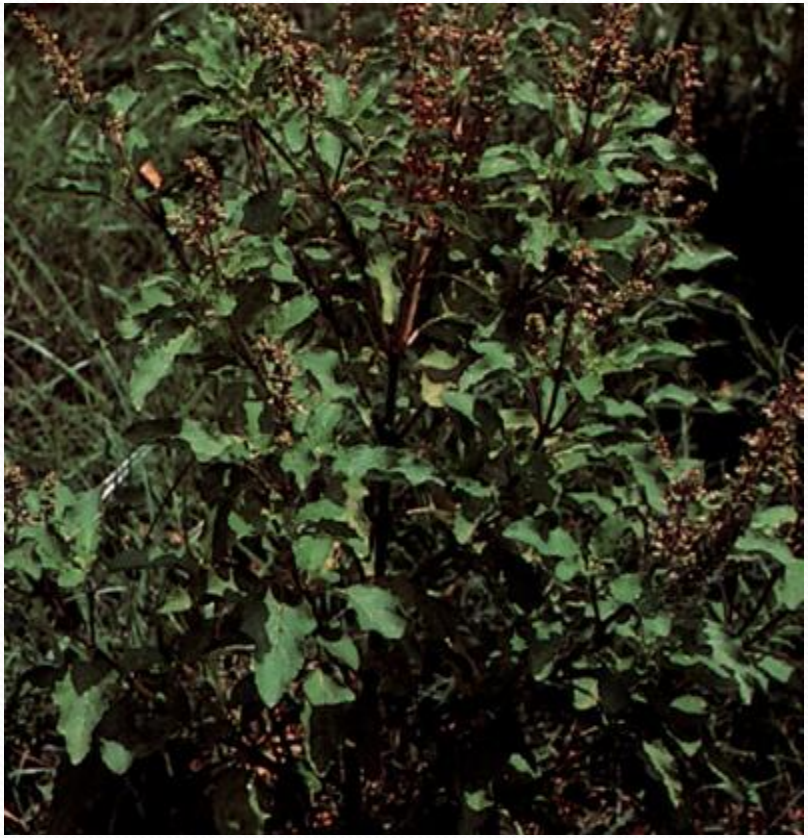

- उपयोगी भागः सम्पूर्ण पौधा।
- उपयोगः सर्दी, खाँसी, पेटदर्द, कानदर्द, हृदयरोग, मूत्रवर्द्धक, कृमीना”ाक, ज्वर, डायबीटीज।

पत्ता–अजवाइन PATTA-AJAWAIN (*Plectranthus amboinicus*)

- उपयोगी भाग : पत्ता
- उपयोग : नाक, कान, गला की बीमारियों में।

चमेली Chameli

(*Jasminum grandiflorum*)

- उपयोगी भाग : पत्ता एवं फूल
- उपयोग : नेत्र चिकित्सा, चर्मरोग।

सर्प गंधा SARAPGANDHA (*Rauvolfia serpentina*)

- उपयोगी भाग : जड़
- उपयोग : सर्प विष, ज्वर, कृमिरोग, गर्भा''ाय।

स्वीटलीफ SWEET-LEAF (*Stevia*)

- उपयोगी भाग : पत्ता
- उपयोग : मधुमेह, पाचनतंत्र में।

अश्वगंधा ASHWAGANDHA

(*Withania somnifera*)

- उपयोगी भागः सम्पूर्ण पौधा।
- उपयोगः शक्तिवर्द्धक, मूत्रवर्द्धक, श्वसनतंत्र, आमाषयिक (पाचनतंत्र), अनिद्रा, कामेच्दावर्धक एवं वृक"ोधक में।

कालमेघ ADUSA

(*Adhatoda vasica*)

- उपयोगी भागः छाल, जड़, पत्ते।
- उपयोगः श्वासनली में सूजन, दमा तथा ज्वर

अनन्तमूल ANANTMOOL

(*Hemidesmus indicus*)

- उपयोगी भागः– जड़
- उपयोगः हड्डी जोड़ने, ज्वर, चर्मरोग, रक्त”ोधक, डायरिया, गठिया, लिकोरिया, दम्मा आदि

चिरायता Chirayta (*Swertia chirayata*)

- उपयोगी भागः– सूखा पंचांग
- उपयोगः ज्वर, कुष्ठरोग, कैन्सर शामक, कीटाणुना”ाक।

कालमेघ KALMEGH

(*Andrographis paniculata*)

- उपयोगी भागः सम्पूर्ण पौधा
- उपयोगः लीवर से संबंधित रोग, पाचनतंत्र, कुष्ठरोग, मलेरिया, चर्मरोग, रक्त”ोधक।

नीरगुंडी NIRGUNDI (*Vitex negundo*)

- उपयोगी भाग : पत्ता, बीज एवं जड़
- उपयोग : साइनस एवं इक्जीमा।

हींग HING
(*Ferula assafoetida*)

- उपयोगी भाग : पत्ता, फल एवं गोंद।
- उपयोग : अतिसार (डिसेन्ट्री), रक्तपित्त एवं आंत्रशूल में।

वचा VACCH

(*Acorus calamus*)

- उपयोगी भागः जड़
- उपयोगः श्वसनक्रिया, डायरिया, कण्ठरोग, नाड़ीतंत्र, खाँसी, एवं ज्वरना”ाक में।

पिप्पली PIPAR

(*Piper longum*)

- उपयोगी भाग: कच्चा फल, सूखा फल, जड़।
- उपयोग: खाँसी, दमा, श्वसनक्रिया, प्लीहावृद्धि

वाशक ADUSA

(*Adhatoda-vasica-vasaka*)

- उपयोगी भागः छाल, जड़, पत्ते।
- उपयोगः श्वासनली में सूजन, दमा तथा ज्वर

हड़जोड़ HATH-JORE (*Cissus*)

- उपयोगी भागः जड़, तना, पत्ता
- उपयोगः हड्डी जोड़ने में, दमा, क्रीमीनाषक, अंगों के सूजन, पुराना घाव, आँख की बीमारी

गुलाब Rose (*Rosa centifolia*)

- उपयोगी भागः पुष्प
- उपयोगः चर्मरोगों में, संताप, पुष्प की पंखुड़ियों तथा शर्करा से गुलकंद बनती है।

लेमन ग्रास LEMON GRASS (*Cymbopogon citratus*)

- उपयोगी भागः पत्ता तथा बीज
- उपयोगः उनमाद, आंतकृमियों में, खाज–खुजली

खस KHAS
(Vetiveria *zizanioides*)

- उपयोगी भागः जड़
- उपयोगः जल को सुगंधित करने, वमन, रक्तषोधक, जीर्ण ज्वर, कुष्ठरोग, धुआँ करने से हवा शुद्ध होकर मच्छी का नाष करती है।

पुदीना PUDINA (*Mentha spicata*)

- उपयोगी भागः सम्पूर्ण पौधा
- उपयोगः कीटाणुना”ाक, खांसी, जुकाम, अतिसार आदि।

गुड़मार GURMAR (*Gymnema sylvestre*)

- उपयोगी भाग: सम्पूर्ण पौधा
- उपयोग: मधुमेह, श्वासरोग।

वाशक ADUSA (*Adhatoda-vasica-vasaka*)

- उपयोगी भागः छाल, जड़, पत्ते।
- उपयोगः श्वासनली में सूजन, दमा तथा ज्वर

वनहल्दी VANHALDI

(*CURCUMA LONGA*)

- उपयोगी भागः जड़
- उपयोगः एंटीसेप्टिक, एपेटाईजर, पेटदर्द, चर्मरोग, अल्सर, कब्ज, पीलीया आदि।

भृंगराज BHRINGARAJ (Wedelia chinensis)

- उपयोगी भाग: सम्पूर्ण पौधा
- उपयोग: अल्सर, लीवर, आँख एवं बाल।

पत्थरचूर PATHARCHUR

(*Bryphyllum calycinum*)

- उपयोगी भागः पत्र एवं इसका स्वरस
- उपयोगः मूत्ररोधक, अतिसार, कटे हुए हिस्से, रक्तस्त्राव आदि।

मंडूकपर्णी Mandukaparni (*Centella asiatica*)

- उपयोगी भागः सम्पूर्ण पौधा।
- उपयोगः चर्म विकार, कुष्ठरोग, क्षयरोग, ज्वर, श्वांस रोग, लाल रक्तकणों में प्रोटीन का मात्रा बढ़ाता है।

वन तुलसी TULSI (*Ocimum americanum*)

- उपयोगी भागः सम्पूर्ण पौधा।
- उपयोगः मलेरिया ज्वर, यक्ष्मा, मधुमेह, दमा, दाद–खाज एवं खुजली, रक्त शोधक, कृमिनाषक एवं बात तथा कफ में उपयोगी।

वचा VACCH (*Acorus calamus*)

- उपयोगी भागः जड़
- उपयोगः श्वसनक्रिया, डायरिया, कण्ठरोग, नाड़ीतंत्र, खाँसी,बुद्धि वर्धक, ज्वरनाषक एवं कफ में।

पुनर्नवा
Boer havia diffusa

- उपयोग भाग : पूरा पौधा
- डपयोग : हृदय के लिये, हिपैटिक डिसऑडर एवं जौंडिस, अजीर्ण पीलिया, रक्त की कमी, लिकोरिया, कामेच्छ वर्धक में।

अजवायन AJAWAYAN (Trachvspermum amnu)

- उपयोगी भाग : फल।
- डपयोग : वायुना”ाक कृमि ना”ाक, अजीर्ण, डायरिया।

सदाबहार SADABHAAR (VINCAROSEA)

- उपयोगी भाग : पूरा पौधा।
- उपयोग : मधुमेह में।

पीत भृगंराज PRITBHRINGRAJ (WEDELIA CHINENSIS)

- उपयोगी भाग : पूरा पौधा।
- उपयोग : बाल झड़ने एवं सफेद होने में तथा आँख की बीमारी में।

मुस्तक MUSTAK (*Cyperus rotundus*)

- उपयोगी भागः जड़
- उपयोगः डायरिया, चर्मरोग, रक्त”ाोधक, ज्वर, के”ावर्द्धक।

चलता CHALTA
(DILENIA INDICA)

- डपयोगी भाग : फल।
- डपयोग : सौंदर्यीकरण, वायु नाषक एवं केष वृद्धि में।

काला तुलसी KALA TULSI (OCIMUM SANCFUM)

- उपयोगी भाग : पूरा पौधा।
- उपयोग : हृदय संबंधी रोग, दमा, खाँसी, कान दर्द, लीवर संबंधी रोग, उदर संबंधी, चर्म रोग में।

कपूर तुलसी KAPUR TULSI (OCUMUM KILIMANDSCHANCUM)

- उपयोगी भाग : पत्ते।
- उपयोग : कफ, खाँसी, क्षुधावर्द्धक, आँख की बीमारी में।

लौंग तुलसी LOANG TULSI (OCIMUM BASILICUM)

- उपयोगी भाग : पूरा पौधा।
- उपयोग : सृजन, कान दर्द, सर दर्द, बात, रियूर्मटिक, अर्थराईटिस, त्वचा, रक्त शोधक, डायरिया, डिसेन्ट्री में ।

हड़जोड़ HATH-JORE (*Cissusquadrangularis*)

- उपयोगी भागः जड़, तना, पत्ता
- उपयोगः हड्डी जोड़ने में, दमा, क्रीमीनाषक, अंगों के सूजन, पुराना घाव, आँख की बीमारी

लाजवंती LAJWANTI

(*Mimosa pudica*)

- उपयोगी भागः सम्पूर्ण पौधा
- उपयोगः स्त्रीरोग, डायरिया, साईनस, कुकुरखाँसी, मूत्ररोग आदि।

अमलतास AMALTAS (CASSIA FISTULA)

- उपयोगी भाग : जड़ छाल एवं पते।
- उपयोग : कब्ज एवं कृमि नाषक, ज्वर कम करने तथा चर्मरोग में।

अर्जुन ARJUN (TERMINALIA ARJUNA)

- उपयोगी भाग : पूरा पौधा।
- उपयोग : हृदय, रक्त चाप तथा लिवर के बीमारी में।

सीता–अषोक SITA ASHOK (SARACA INDICA)

- उपयोगी भाग : फूल।
- उपयोग : सौंदर्यीकरण, खूनी पंचि”ा तथा मधुमेह बीमारी में।

अशोक ASHOK (POLYALTHIA LONGIFOLIA)

- उपयोगी भाग : छाल।
- उपयोग चर्म रोग, मधुमेह तथा ज्वर में।

आँवला AWALA (PHYLLANTHUS EMBLICA)

Phyllanthus emblica L. (*Amala*); EUPHORBIACEAE

Uses: Fruits used in asthma, geriotic problem, and main component of '*Chyawanprash*'

W. Nepal, Banke, Betahani, 120 m. *Photo:* Dr. Narendra N. Tiwari (ESON)

- उपयोगी भाग : फल।
- उपयोग : विटामीन सी' के श्रोत,

अम्रा ASHRA
(SPONDIAS PINNATA)

- उपयोगी भाग : पूरा पौधा।
- उपयोग : डायरिया, डिसेन्ट्री एवं क्षुधावर्द्धक में।

सलइ SLAI
(BOSWELLIA SERRATA)

- उपयोगी भाग : छाल।
- उपयोग : डिसेन्ट्री एवं चर्म रोग में।

केवड़ा KIWERA (PANDANUS ODORATISSIMUS)

- उपयोगी भाग : जड़।
- उपयोग : ट्यूमर, कुष्ट, खुजली में।

कालासिरिस KALASIRIS (ALBIZIA LEBBECK)

- उपयोगी भाग : छाल एवं बीज।
- उपयोग : पाइल्स, डायरिया एवं चर्म रोग में।

सिरिस–सफेद SIRIS- SAFED (ALBIZIA PROCERA)

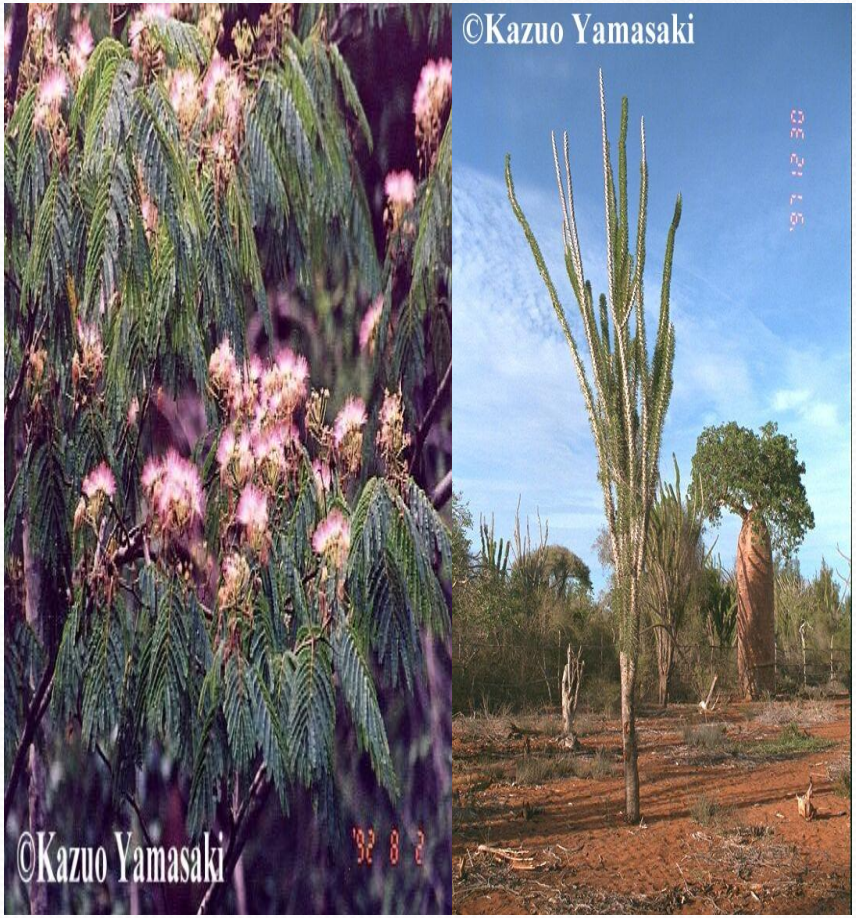

- उपयोगी भाग : छाल एवं बीज।
- उपयोग : पाइल्स, डायरिया एवं चर्म रोग में।

छत वन CHATWAN (ALSTONIA SCHOLARIS)

- उपयोगी भाग : छाल।
- उपयोग : मलेरिया, डिसेन्ट्री एवं डायरिया में।

पुत्रंजिवा PUTRAJIVA
(PITRAMKOVA ROXBURGHII WALL)

- उपयोगी भाग : पतें एवं बीज।
- उपयोग : ज्वर एवं बॉझपन के ईलाज में।

जकरंडा JACARANDA (JACARANDA MIMOSIFOLIA)

- उपयोगी भाग : पतें एवं छाल।
- उपयोग : घाव धोन के लो”ान के रूप में

मौलसिरी MOALSIRI
(MIMUSOPS ELENGI)

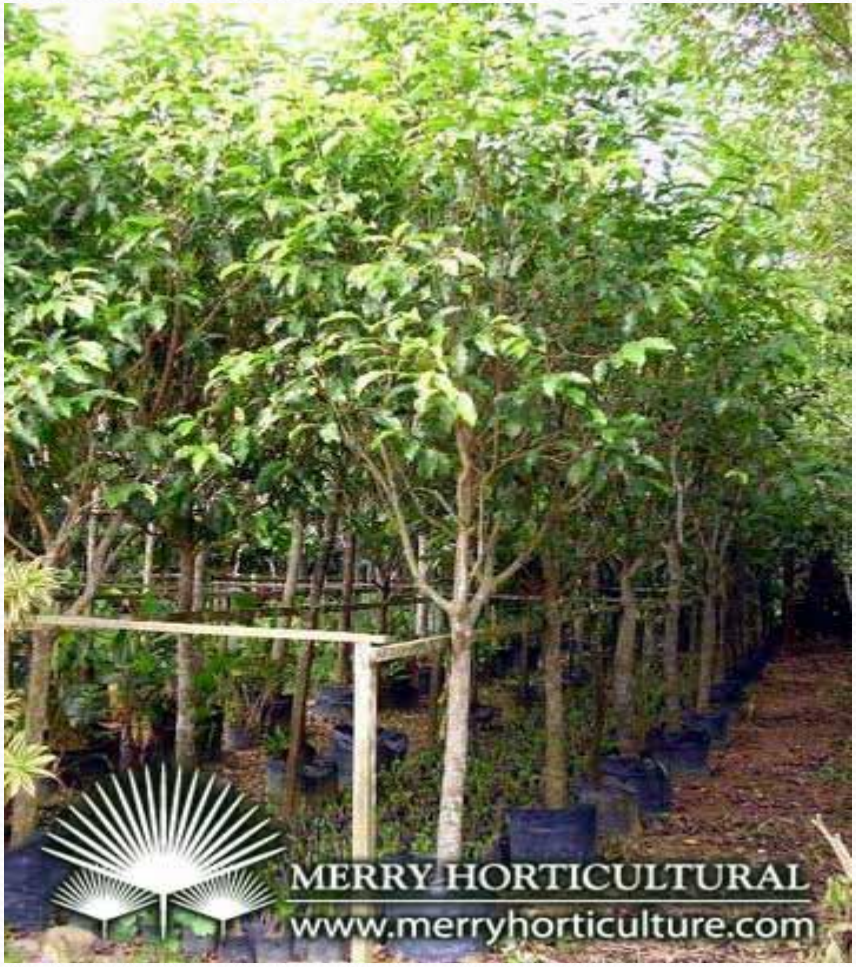

- उपयोगी भाग : छाल।
- उपयोग : ज्वर कम करने, टोनिक एवं मसूढ़े के रोग में।

रक्त चंदन RACAT CHANDAN (PTEROCARPUS SANTALINUS)

- उपयोगी भाग : फूल।
- उपयोग : कफ, खाँसी, चर्मरोग, कुष्ट, रोग में।

पलास PLASH

(BUTEA MONOSPERMA (TAMK) TAUB)

- उपयोगी भाग : पत्तें।
- उपयोग : बावासीर एवं ज्वर में।

इमली IMLI
(TAMARINDUS INDICA)

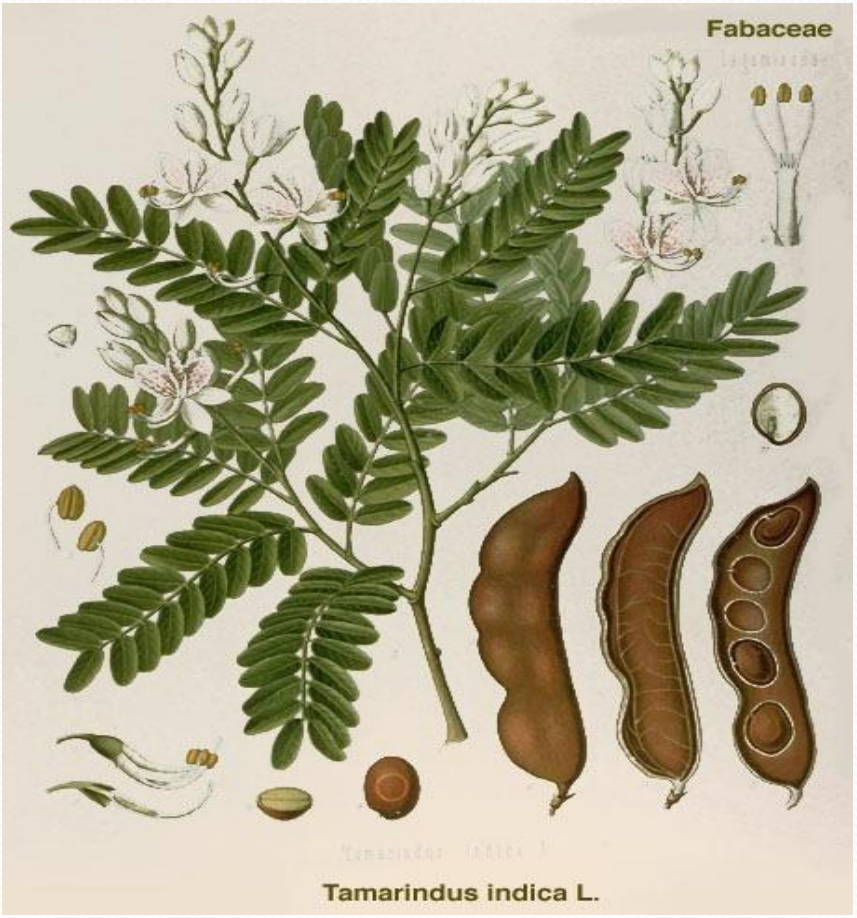

- उपयोगी भाग : पत्ते एवं फल।
- उपयोग : पेट संबंधी रोग में।

चंदन CHANDAN (SANTALUM ALBUM)

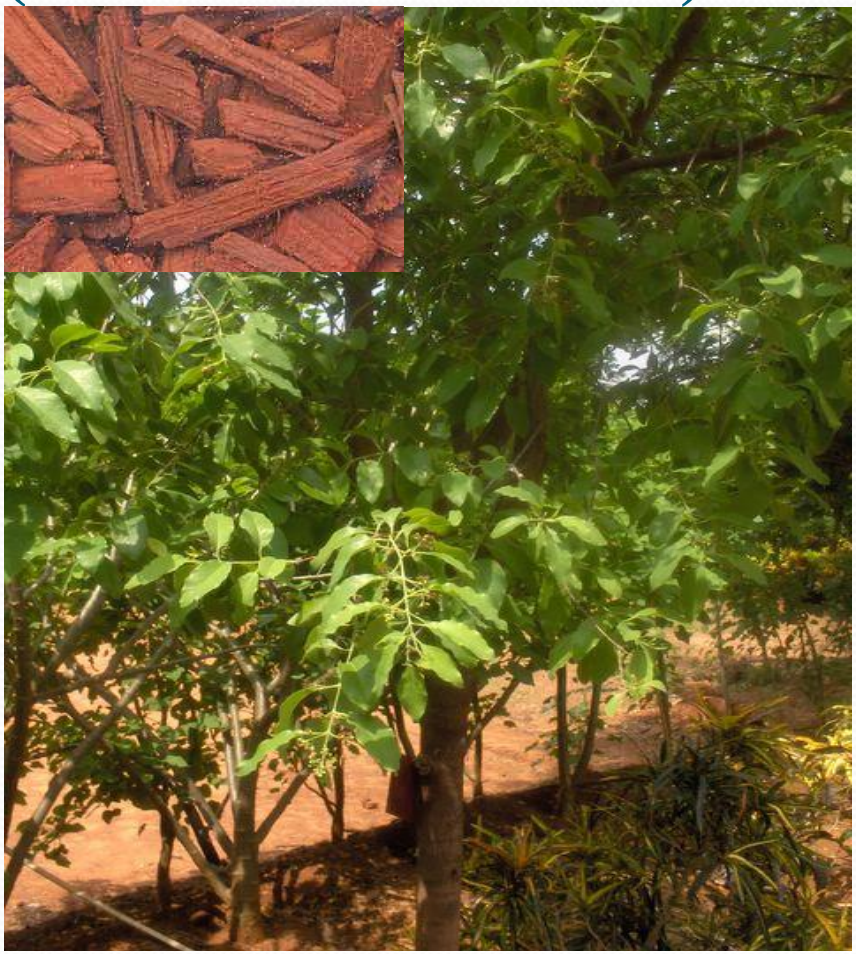

- उपयोगी भाग : लकड़ी।
- उपयोग : चर्म रोग, सर दर्द में।

जारूल JARUL
(LAGERSTROEMIA SPECIOSA)

- उपयोगी भाग : पत्तें।
- उपयोग : चर्म रोग एवं खुजली में।

रीठा RITHA

(SAPINDUS MUKOROSSI)

- उपयोगी भाग : फल।
- उपयोग : बाल धोने के काम में।

बीजा साल BIJA SAAL
(PTEROCARPUS MARSUPIUM)

- उपयोगी भाग : लकड़ी एवं पत्ते।
- उपयोग : हार्ड, डायबेटीज, चर्मरोग एवं फोड़े–फुंसी में।

बेल BEAL
(AEGLE MARMELOS)

- उपयोगी भाग : फल एंव पत्तें।
- उपयोग : उदर, हृदय, कब्ज नाषक, कफ एवं डायबेटीज में।

बादाम VADAM

(ALMOND PRUNUS AMYGDALUS)

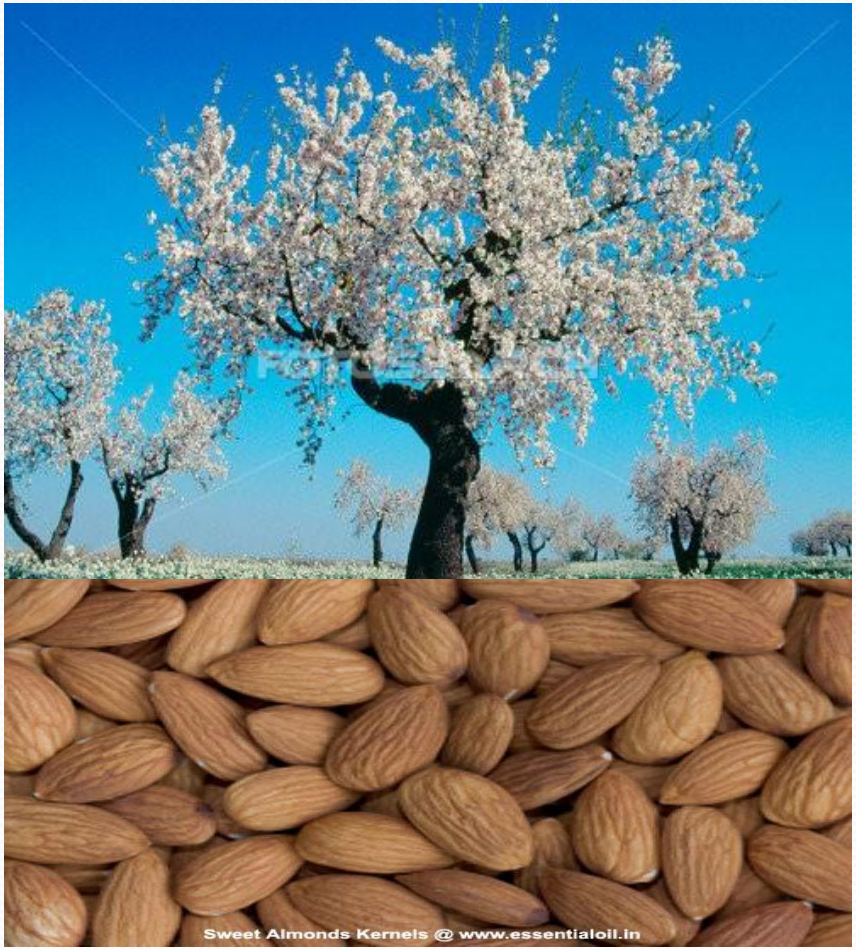

- उपयोगी भाग : फल।
- उपयोग : पौष्टिक, कब्ज एवं कफ में।

बहेरा BHEARA
(TERMINALIA BELLERICA)

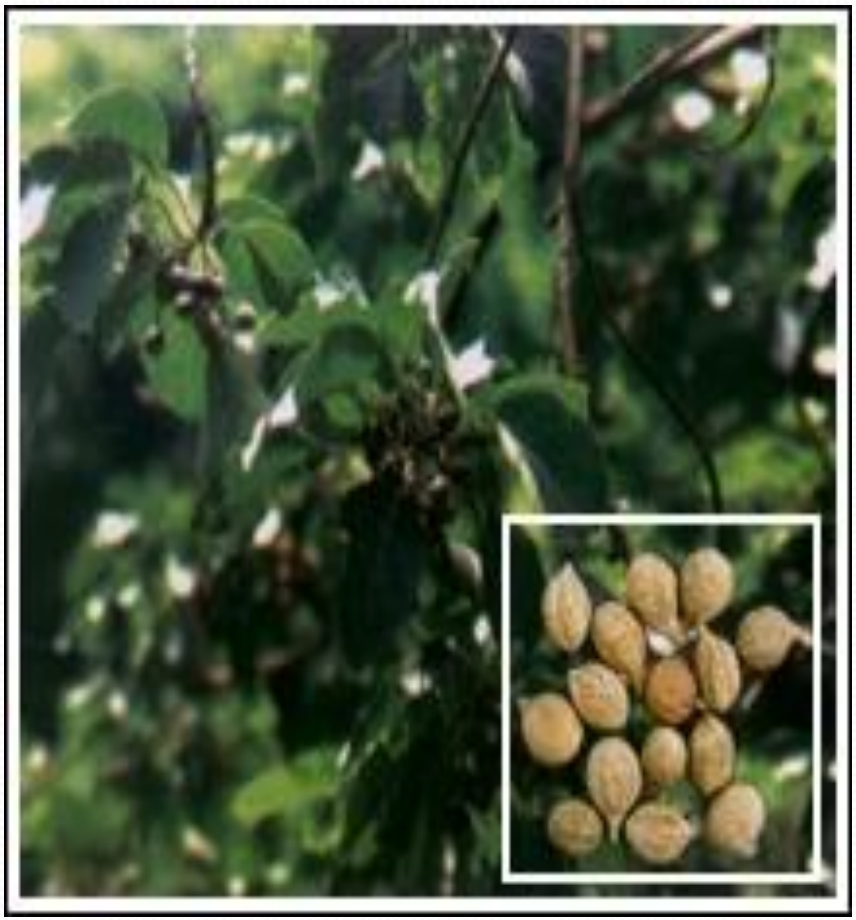

- उपयोगी भाग : छाल एंव बीज।
- उपयोग : रक्त की कमी, सफेद दाग एवं कब्ज में।

बकेन BAKEN
(MELIA AZEDARACH)

- उपयोगी भाग : जड़ एवं पत्तें।
- उपयोग : एन्टीसेप्टिक तथा विभिन्न चर्मरोग, गिर्गी, कुष्ट एवं कफ में।

बेर BAIR
(ZIZIPHUS MAURITIANA)

- उपयोगी भाग : छाल एवं फल।
- उपयोग : डिसेंट्री, डायरिया, क्षुधावर्द्धक, कब्ज नाषक में।

रूद्राक्ष RUDRAKSH (ELAEOCARPUS SPHAERICUS)

- उपयोगी भाग : फल।
- उपयोग : उच्य रक्त चाप में।

बड़कद BARGAD
(FICUS BENGHALENSIS)

- उपयोगी भाग : छाल।
- उपयोग : डायरिया एवं डिसेंट्री में।

गुलायची–उजला GULACHI-UJALA (PLUMERIA ACUMINATA)

- उपयोगी भाग : पत्तें, फूल एवं पत्तें का दूध।
- उपयोग : सौंदर्यीकरण, अंगों के उपचार एवं गठिया में।

कचनार KCHNAR
(BAUHINIA VARIEGATA)

- उपयोगी भाग : फूल एवं छाल।
- उपयोग : सौंदर्यीकरण एवं चर्मरोग में।

हरसिंगार HARSHRINGAR (NYCTANTHES ARBORTRISTIS)

- उपयोगी भाग : पत्तें एवं छाल।
- उपयोग : सौंदर्यीकरण, कृमिनाषक, गठिया एवं कफ निकालने में।

सुपाड़ी SUPARI
(ARECA CATECHU)

- उपयोगी भाग : फल।
- उपयोग : भोजन पचाने एवं कृमि नाषक में।

केंद KEND
(DIOSPYROS MELANOXYLON)

- उपयोगी भाग : छाल।
- उपयोग : डायरिया, डिसेंट्री, चर्म रोग एवं डायबेटिज में।

सागवान SAGWAN (TECTONA GRANDIS)

- उपयोगी भाग : छाल।
- उपयोग : एसीडिटी, डिसेंट्री, डायबेटीज एवं चर्मरोग में।

नीम NEEM
(AZADIRACHTA INDICA)

- उपयोगी भाग : छाल एवं पत्तें।
- उपयोग : विभिन्न तरह के चर्मराग, मियादी बुखार, डायबेटीज, लीवर एवं पेट के कीड़ी को माड़ने में।

कुसुम KUSUM
(SCHLEICHERA OLEOSA)

- उपयोगी भाग : बीज एवं पत्ते।
- उपयोग : बीज के तेल से साबुन एवं पत्ते से सिल्क कीड़े पालने में।

रेनट्री / विलायती सिरिस RANTRI / VILATI SIRISH (SAMANEA SAMAN)

- उपयोगी भाग : पत्ते एवं फल।
- उपयोग : मवेषी के चारा में।

मुचकुंद MUCHKUND
(PTEROSPERMUM CANESCENS)

- उपयोगी भाग : फूल।
- उपयोग : कीड़े एवं खटमल भगाने में।

पेल्टोफोरम PELTOPHORUM (PELTOPHORUM PTEROCARPUM)

- उपयोगी भाग : लकड़ी।
- उपयोग : मजबूत केबिनेट बनाने में।

होलौक HOLAKE

(TERMINALIA MYRIOCARPA)

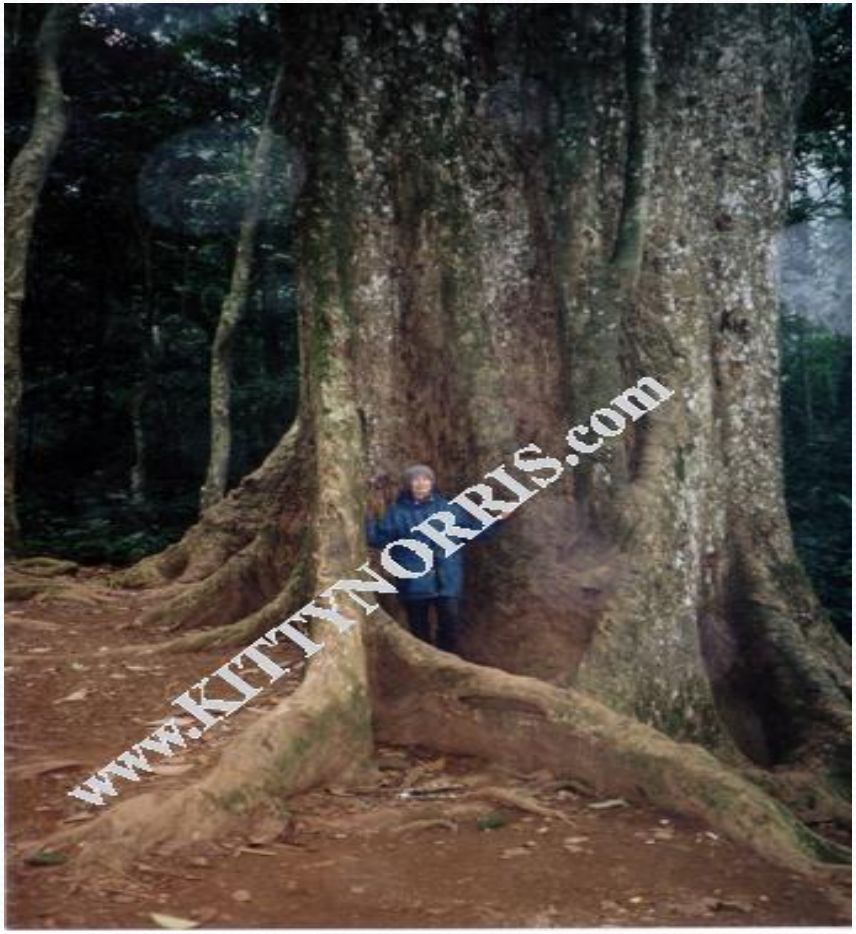

- उपयोगी भाग : लकड़ी के छाल।
- उपयोग : प्लाउड उद्योग में, चाय के बक्से बनाने में।

काला सीसम (रोजउड) KALA SISAM (DALBERGIA LATIFOLIA)

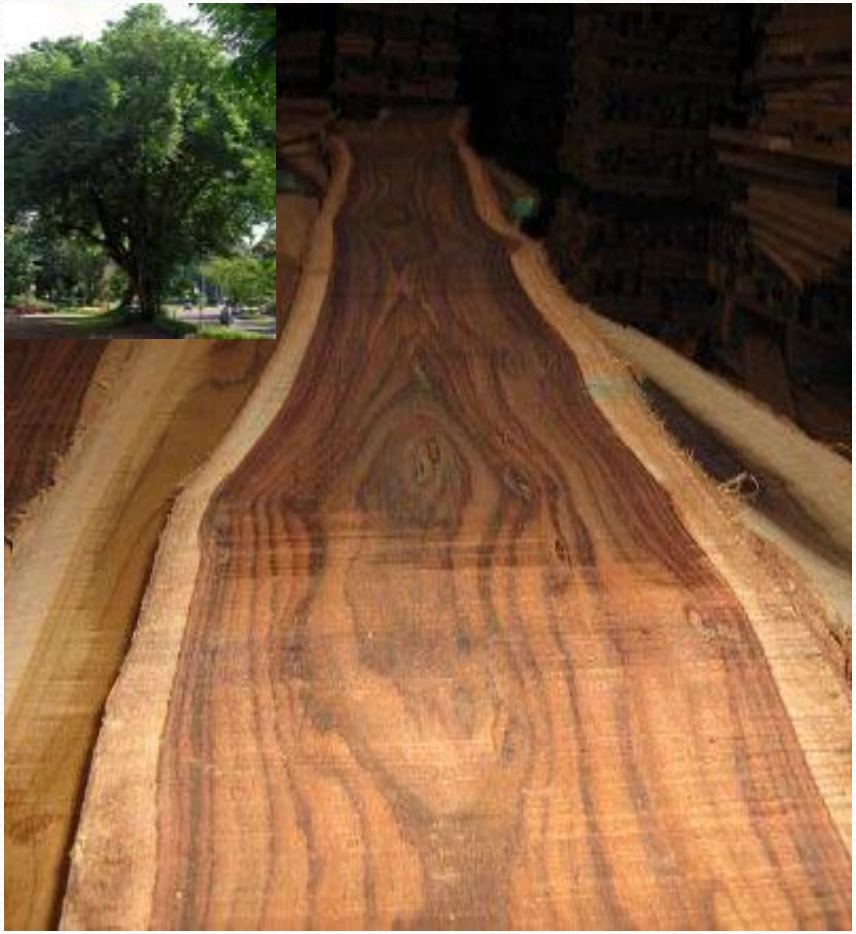

- उपयोगी भाग : लकड़ी।
- उपयोग : लकड़ी में मजबूती एवं चमक के कारण फर्निचर बनाने में।

कैसिया नोडूसा CASSIA NODOSA (CAESALPINIACEAE)

- उपयोगी भाग : लकड़ी।
- उपयोग : सौंदर्यीकरण एवं जलावन में।

सिल्वर ओक SILVRT OKA (GREVILLEA ROBUSTAS)

- उपयोगी भाग : फूल।
- उपयोग : सौंदर्यीकरण, चाय एवं कॉफी बागानों में छायादार वृक्ष के रूप में, सिजनिंग के पश्चात सजावटी पैनल, फर्निचर, बैडमिंटन एवं टेनिस रैकेट बनाने में।

हेट्रोफेग्गा HETEROPHAGA (HETEROPHRAGMA QUADRILOCULARE)

- उपयोगी भाग : पूरा पौधा।
- उपयोग : सौंदर्यीकरण एवं चारा और जलावन।

टेकोमा TECOMA (TECOMA STANS)

- उपयोगी भाग : लकड़ी।
- उपयोग : सौंदर्यीकरण, लकड़ी मजबूत एवं फर्निचर तथा कृषि उपकरण बनाने में।

धोबन DHOBAN (DALBERGIA PONICULATA)

- उपयोगी भाग : पूरा पौधा।
- उपयोग : चारा एवं जलावन।

वर्मा मउमीन BARMA MOUMINE (MILLEFIA PEGUENSIS)

- उपयोगी भाग : पूरा पौधा।
- उपयोग : सौंदर्यीकरण एवं जलावन और चारा में।

ग्लीटीसेडिया GLIRICIDIA

(GLIRICIDIA SEPIUM (JACQ) KUNTH.EX.WALP.)

- उपयोगी भाग : पूरा पौधा।
- उपयोग : सौंदर्यीकरण एवं चारा तथा जलावन में।

बबूल BABUL (ACACIA NILOTICA)

- उपयोगी भाग : छाल।
- उपयोग : रस्सी बनाने में एवं कृषि उपकरण के लिये।

बरगद BARGAD (FICUS BENGHALENSIS)

- उपयोगी भाग : पूरा पौधा।
- उपयोग : धार्मिक वृक्ष।

कदम्ब CADAMB
(ANTHOCEPHALUS INDICUS RICH.)

- उपयोगी भाग : फल एवं छाल।
- उपयोग : शीघ्र बढ़ने वाल वृक्ष, प्लाई उद्योग में, बंदर एवं पक्षियों के भोजन में।

ताड़ TAR
(BORASSUS FLABELLIFER)

- उपयोगी भाग : पूरा पौधा।
- उपयोग : ताड़ी निकालने में, फल खाने, तना–घर बनाने में पत्ता–पंखा एवं चटाई बनाने में।

पीपल PIPEAL (FICUS RELIGIOSAL)

- उपयोगी भाग :पूरा पौधा।
- उपयोग : विषाल छायादार धार्मिक वृक्ष, लकड़ी पैकिंग बक्से एवं प्लाई उद्योग में।

झाऊ JHAU (CASUARINA EQUISETIFOLIA)

- उपयोगी भाग : पूरा पौधा।
- उपयोग : समुद्री तटों पर बालू के टीले को अच्छादित करने एवं उनका क्षरण रोकने में, जलावन के रूप में।

खजूर KHAJUR (PHOENIX DACTYLIFERA)

- उपयोगी भाग : पूरा पौधा।
- उपयोग : फल खाने योग्य, पत्ते चटाई आदि बनाने योग्य।

खिरनी KHIRANI (MANILKARA HEXANDRA)

- उपयोगी भाग : पूरा पौधा।
- उपयोग : मजबूत, सुन्दर पौलिष पकड़ने वाला, फर्निचर वाला, फर्निचर एवं पैनल बनाने में, फल मीठा एवं स्वादिष्ट।

साल SAAL (SHOREA ROBUSTA)

- उपयोगी भाग : बीज, लकड़ी एवं पत्ते।
- उपयोग : मजबूत, भारी और पानी सहनेवाला, गृह निर्माण, फर्निचर, बिजली पोल, रेलवे स्लीपर बनाने में, पत्ते प्लेट बनाने में तथा बीज चौक्लेट उद्योग एवं तेल निकालने में।

सहजन SAHJAN (MORINGA OLEIFERA)

- उपयोगी भाग : फूल एवं फल।
- उपयोग : सब्जी के रूप में।

नारियल NARIYAL (COCOS MUCIFERA)

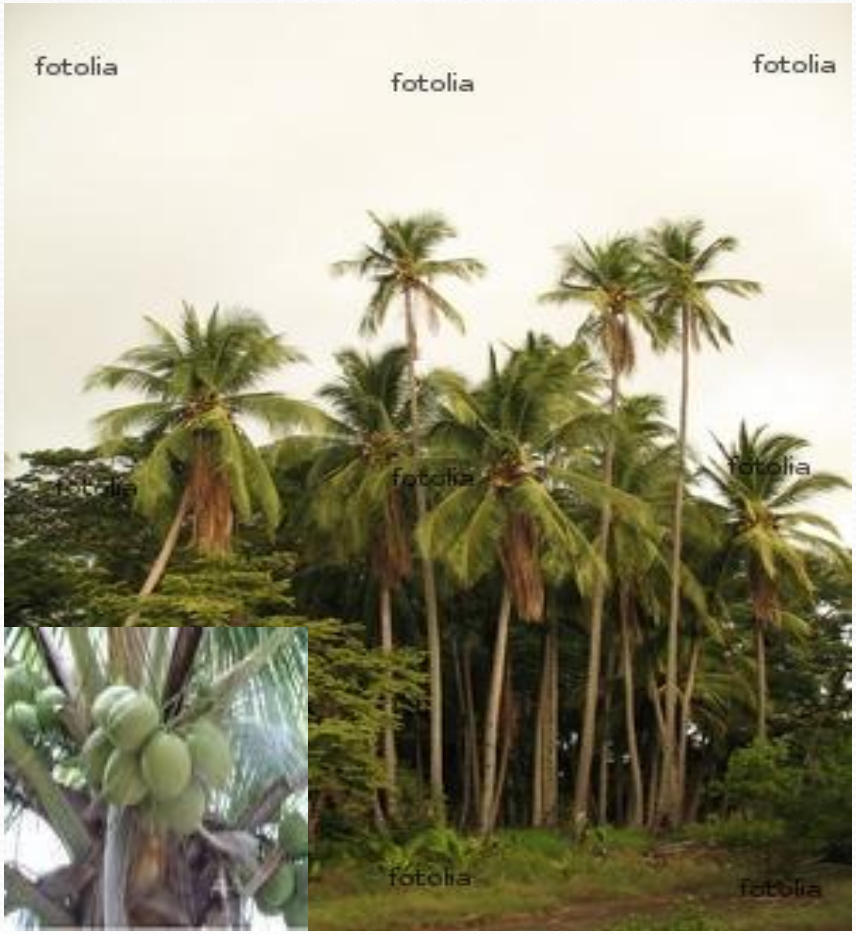

- उपयोगी भाग : पूरा पौधा।
- उपयोग : वृक्ष के सभी भाग उपयोगी।

टाइगर बॉस TIGER BANS (BAMBUSA VULGARIS)

- उपयोगी भाग : पूरा पौधा।
- उपयोग : सौंदर्यीकरण एवं उद्यान में लगाने हेतु।

कनेर CANAER (THEVETIA NERIFOLIA)

- उपयोगी भाग : पूरा पौधा।
- उपयाग : सौंदर्यीकरण।